भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
पशुपालन और डेयरी विभाग
लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 3958
दिनांक 25 मार्च, 2025 के लिए प्रश्न

रोग निगरानी

3958. श्रीमती संजना जाटवः

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार लोक स्वास्थ्य के संरक्षण और डेयरी उद्योग का भावी स्वरुप बेहतर बनाने के लिए उत्तम पशु स्वास्थ्य हेतु समुचित प्रतिरोधी औषधियों के उपयोग और कृत्रिम बुद्धिमता से संचालित समाधानों के माध्यम से समेकित प्रयास करते हुए रोगों की निगरानी, निवारण और नियंत्रण सुनिश्चित कर रही है; और

(ख) यदि हां, तो लोगों और पर्यावरण दोनों को पोषण देने वाले संपन्न डेयरी क्षेत्र के निर्माण के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री
(प्रो. एस. पी. सिंह बघेल)

(क) और (ख) रोग निगरानी, निवारण और नियंत्रण के साथ-साथ एंटीबायोटिक के जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग के लिए सरकार के प्रयास निम्नानुसार हैं:-

i. विभिन्न आईसीएआर पशु विज्ञान संस्थानों द्वारा एवियन इन्फ्लूएंजा, पीपीआर, सीएसएफ, एफएमडी आदि जैसे रोगों की सक्रिय रोग निगरानी की जाती है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR)-राष्ट्रीय पशुरोग जानपदिक एवं सूचना विज्ञान संस्थान (NIVEDI), बेंगलुरु हर माह हर राज्य को आईसीएआर-एनआईवीईडीआई के एनएडीआरईएस वी2 पोर्टल के साथ-साथ पशुपालन और डेयरी विभाग के पोर्टल पर प्रदर्शित करने सहित आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण 15 रोगों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग मॉडल (AI & ML) का उपयोग करके रोग जोखिम की पूर्व चेतावनी देता है।

ii. रोग निगरानी, प्रारंभिक पहचान और रोग के खतरों पर त्वरित प्रतिक्रिया के लिए पशुपालन और डेयरी विभाग के पास प्रयोगशालाओं का एक नेटवर्क है, जिसमें राज्यों में नैदानिक प्रयोगशालाएं, भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान (IVRI), बरेली में एक केंद्रीय रोग निदान प्रयोगशाला (CDDL) और पांच क्षेत्रीय रोग निदान प्रयोगशालाएं (RDDL) है। बेंगलुरु, पुणे, जालंधर, कोलकाता और गुवाहाटी प्रत्येक में एक-एक RDDL है।

iii. आईसीएआर ने देश के विभिन्न राज्यों में 31 केंद्रों को शामिल करते हुए एएमआर पर अखिल भारतीय नेटवर्क कार्यक्रम (AINP-AMR) आरंभ करके रोगाणुरोधी प्रतिरोध (AMR) की निगरानी को सुदृढ़ किया है। मत्स्यपालन और पशु रोगाणुरोधी प्रतिरोध संबंधी भारतीय नेटवर्क (INFAAR) खाद्य पशुओं (फूड एनिमल्स) और जलीय कृषि में रुझानों को ट्रैक करने के लिए एएमआर निगरानी कर रहा है ताकि पशुओं और मत्स्यपालन में एएमआर जोखिम कारकों को समझा जा सके और नियंत्रण रणनीति तैयार की जा सके।

iv. विभाग ने पशु स्वास्थ्य क्षेत्र में एंटीबायोटिक दवाओं के विवेकपूर्ण उपयोग, निगरानी और मॉनीटरिंग के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और अन्य हितधारकों के परामर्श से एंटी माइक्रोबियल प्रतिरोध (AMR) पर राष्ट्रीय कार्य योजना तैयार की है। वन हेल्थ पहल और एनएपी-एएमआर के तहत प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए कृषि क्षेत्र में कीटनाशकों और एंटीबायोटिक दवाओं के उपयोग के संबंध में कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय भी हितधारकों में से एक है। विभाग ने सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को फूड एनिमल्स के उपचार में एंटीबायोटिक दवाओं के विवेकपूर्ण उपयोग, पशु आहार में एंटीबायोटिक दवाओं के उपयोग को रोकने और सामान्य जागरूकता के लिए परामर्शियां जारी की हैं।

v. पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम (LHDCP) योजना के अंतर्गत, खुरपका और मुंहपका रोग (FMD), ब्रुसेलोसिस, पेस्ट डेस पेटिट्स रूमिनेंट्स (PPR)) और क्लासिकल स्वाइन फीवर (CSF), लम्पी स्किन डिजीज, ब्लैक क्वार्टर, हैमरेजिक सेप्टिसीमिया आदि के लिए टीकाकरण हेतु राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को 100% केंद्रीय सहायता प्रदान की जाती है, जिसमें रोग निगरानी, मॉनिटरिंग और क्षमता निर्माण शामिल है। टीकाकरण से एंटीबायोटिक दवाओं का उपयोग कम होता है, इसलिए एएमआर कम होता है।

*****